वार्षिक प्रतिवेदन

वर्ष – २०२४

D Direction
I Innovation
S Strategy for
H Health
A Action

'दिशा'

सार्वजनिक ट्रस्ट पंजीयन क्र. एफ-५३/९१ (भं.)
दिनांक २३.०७.१९९७

email: dishaarogyakutir@gmail.com
visit us at : www.dishagondia.org

ANNUAL REPORT OF DISHA 2024

(January 2024 to December 2024)

Date of Establishment of Disha Arogya Kutir	09.07.1999
No. of Revenue Villages	16
No. of villages with tolas	35
Total No. of families	2662
No. of Residential Houses	2523
No. of population covered	11664
No. of Argoya Doot (Male)	09
No. of Argoya Sevika (Female)	02
O.P.D.started at Darekasa Arogya Kutir	10th Oct., 1999
O.P.D.working days	2nd & 4th Sunday
X-Ray Machine installed	November 1999
Total No.of patients examined during 2024	4871
Average patients in O.P.D.	203
Pathology Lab. established on	09.07.2000
Patients Examined in Pathology Laboratory	316
Complete Blood Count by Cell Counter (CBC)	107
No.of ANC Profile	17
Installation of Ultra Sound Sonography machine	24.03.2002
No. of X-ray taken during the year 2024	79
No. of Ultra Sonography done (ANC)	40
No. of Ultra Sonography done (Others)	28
Dental Unit Started	11.07.2021
Dental Patients examined	55
No. of New T.B.Patients detected during this year.	01
Sputum +ve	00
X-ray +ve	00
Extra pulmonary	01
Cataract Surgery	09
No. of Major Surgery	04
No. of the Diabetes patients under treatment	57 (7 on Insulin)
No. of Hypertensive patients	48
No. of Epilepsy patients	33

Total No. of Birth	113	Birth Rate	10.00 ‰
Total No. of Death	65	Death Rate	5.71 ‰
Total No. of Maternal Death	NIL	Maternal Mortality Rate	NIL
No. of Infant death (0 to 1 yr)	NIL	Infant Mortality Rate	NIL

अल्प परिचय

गोंदिया स्थित दिशा संस्था एक स्वयंसेवी संस्था है, जो कि बिना किसी सरकारी अनुदान के दुर्गम ग्रामीण आदिवासी क्षेत्रों में आरोग्य सेवा पहुंचाने का कार्य गत २५ वर्षो से सफलतापूर्वक कर रही है ।

दर्रेकसा क्षेत्र के आरोग्य सेवा से वंचित लगभग २५ गावों एवं टोलों के लोगों को दिशा आरोग्य कुटीर नामक एक चिकित्सा केंद्र के माध्यम से आरोग्य सेवा देने का काम शुरु हुआ जो अब २५ वर्षो में ३५ गांवों एवं टोलों तक फैल चुका है । दर्रेकसा क्षेत्र के लगभग १२ हजार की जनसंख्या तक आरोग्य सेवा पहुंचाने हेतु दिशा संस्था द्वारा तीन स्तरों में काम किया जाता है ।

१) स्थानीय ९ शिक्षित युवकों एवं २ युवतियों को प्रशिक्षित कर आरोग्य दूत एवं आरोग्य सेविका बनाकर उनके द्वारा घर–घर, प्राथमिक चिकित्सा पहुंचाना ।

२) हर महीने के दूसरे एवं चौथे रविवार को नियमित **बाहय रुग्ण जॉच शिविर** के माध्यम से एक्स–रे, सोनोग्राफी एवं पॅथालॉजी जॉच की जाती है यथोचित दवाईयों का नि:शुल्क वितरण किया जाता है ।

३) दिशा आरोग्य कुटीर में समय समय पर विशिष्ट जॉच व चिकित्सा शिविरों का आयोजन किया जाता है, जिसमें गोंदिया एवं नागपूर के वरिष्ठ दंतशल्य चिकित्सक, अस्थिरोग विशेषज्ञ, मेंदूरोग विशेषज्ञ, स्त्री रोग विशेषज्ञ, शिशु रोग विशेषज्ञ, चर्मरोग विशेषज्ञ, नेत्ररोग विशेषज्ञ, कैन्सर एवं ENT विभाग के विशेषज्ञ निस्वार्थ भावना से अपनी अमूल्य सेवाएं प्रदान करते हैं ।

त्रिस्तरीय कार्यप्रणाली के कारण, इस क्षेत्र के लोगों की आरोग्य स्थिति में सुधार लाने में दिशा संस्था को उल्लेखनीय सफलता मिली है । नियमित जॉच एवं जागरुकता के कारण मलेरिया, टी.बी., दमा खॉसी एवं पेट के रोगों में काफी कमी आयी है ।

आदिवासी ग्रामीण आबादी के पोषण स्थिति में भी सुधार देखा जा रहा है, आरोग्य दूतों एवं सेविकाओं द्वारा नियमित आरोग्य जानकारी एवं जन जागरण के प्रचार करने के कारण लोग साफ–सफाई, उचित खान पान की ओर ध्यान देने लगे हैं ।

स्त्रीरोग विशेषज्ञ द्वारा गर्भवती महिलाओं की नियमित जॉच, खून की जॉच, सोनोग्राफी आदि के कारण माता एवं बाल मृत्युदर में उल्लेखनिय कमी आई, जो कि दिशा संस्था की उपलब्धियों में **मील का पत्थर** साबित हुआ है ।

गत दो दशको में दर्रेकसा क्षेत्र के ग्रामीण एवं आदिवासी क्षेत्रों/गांवों के सामाजिक एवं आर्थिक सुधार/विकास होने के कारण यहॉ के लोगों के जीवर स्तर में परिवर्तन हुआ है, दुर्गम गांवों में अब सड़कें बन गई है, मोबाईल नेटवर्क की सुलभता, शासकीय प्राथमिक चिकित्सा केंद्र, उपकेन्द्र एवं चिकित्सीय उपकरणों की उपलब्धता ग्रामीणों के लिए एक वरदान है ।

गावों में प्रायमरी स्कूल, हायस्कूल, शासकीय आश्रम शाला, कनिष्ठ महाविद्यालय बन जाने से शिक्षा का स्तर अच्छा होने से ग्रामीण आदिवासी लोगों के शिक्षा स्तर में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ है, साथ ही सामाजिक–आर्थिक विकास से जीवन शैली में सुधार आने के कारण अब मलेरिया, दस्त, खांसी आदि बिमारियां की जगह गैर संचारित बीमारीयां जैसे डायबिटीज (मधुमेह), उच्च रक्तचाप (बी.पी.), हृदयरोग, दमा एवं युवतियों में हार्मोन्स की गडबडी, कैन्सर आदि रोगों ने ले ली है, जो कि चिन्ताजनक है ।

इस बदलाव के चलते दिशा संस्था द्वारा अब इन गैर संचारित बिमारियों की रोकथाम हेतु डायबिटीज और उच्च रक्तचाप के मरीजों को सलाह एवं दवाईयां उपलब्ध कराई जाती है ।

उच्च रक्तचाप एवं मधुमेह की दवाईयां तथा इन्सुलिन रियायती दरों पर उपलब्ध करायी जाती है । हर महीने खून की जॉच एवं बी.पी. की जॉच होने के पश्चात ही दवाईयां दी जाती है । बीमारी को नियंत्रित रखने ओर नियमित रुप से निगरानी रखने हेतु केवल एक महीनें की ही दवाई दी जाती है, तथा अन्य जॉच जैसे ब्लड शुगर की जॉच, किडनी की जॉच आवश्यकतानुसार की जाती है ।

दिशा आरोग्य कुटीर में एक छोटी रुग्णवाहिका (ॲम्बुलेन्स) ऑक्सीजन सिलेंडर सहित उपलब्ध है, जो दूर–दराज के जरुरतमंद मरीजों को बहुत ही रियायती शुल्क पर, दर्रेकसा, आमगांव और गोंदिया तक पहुँचाने का कार्य करती है ।

अम्बुलेंस सेवा **बिना नफा –नुकसान** की तर्ज पर उपलब्ध है ।

वर्ष २०२४ वार्षिक कर्मसूचि

वर्ष २०२४ दर्रेकसा स्थित दिशा आरोग्य कुटीर ने स्वास्थ्य सेवा के माध्यम से सामाजिक उन्नति के अपने सफर के २५ वर्ष सफलतापूर्वक पूर्ण किये ।

जुलाई १९९९ में स्वास्थ्य सेवा से वंचित दुर्गम ग्रामीण क्षेत्रों में उत्तम स्वास्थ्य सेवा पहुँचाने की सोच के साथ दर्रेकसा में दिशा आरोग्य कुटीर की स्थापना की गई थी, अति दुर्गम २५ गॉवों को सवास्थ्य सेवाएं प्रदान करने की इच्छा के साथ जो बीज बोया गया था, आज २५ वर्षो में यह कल्पवृक्ष बन अपनी छाया से लगभग १२ हजार की जनसंख्या को लाभान्वित कर रहा है ।

२५ वर्ष के इस सफर में कुछ उल्लेखनिय उपलब्धियां इस प्रकार हैं :

१) ग्रामीणों में स्वास्थ्यसंबंधी जागरुकता बढ रही है, विशेशकर युवतियॉ एवं महिलायें अपने एवं परिवार के स्वास्थ्य के प्रति जागरुक हुई है, इस कारण गत १५ वर्षो में माता मृत्युदर शून्य रही है, एवं बाल मृत्युदर में भी दर वर्ष उल्लेखनीय कमी हो रही है, ज्ञात हो कि वर्ष २०२४ में बालमृत्युदर शून्य है ।

२) कक्षा ८वी से कक्षा १२वीं तक के किशोरों एवं किशोरियों के शारीरिक, बौध्दिक एवं मानसिक विकास हेतु प्रत्येक वर्ष आयोजित होने वाले योग्य मार्गदर्शन शिविर का प्रभाव उल्लेखनीय रुप से देखने को मिलता है, पिछले ५ वर्षो में किशोरवयीन छात्र–छात्राओं में एनिमिया (खून की कमी) उल्लेखनीय रुप से कम है, वे खान–पान एवं साफ सफाई पर ध्यान देने लगे है तथा सामाजिक कुरीतियां एवं रुढिवादिता से बचने लगे है ।

३) देश में लगभग २० करोड लोग मधुमेही है, दिन प्रतिदिन इनकी संख्या बढ रही है, अतः सामाजिक रुप से मधुमेह की जानकारी एवं जागरुकता बहुत जरुरी है, ग्रामीणों में भी मधुमेह बढ़ रहा है ।

दिशा संस्था द्वारा पिछले २५ वर्षो से लगातार मधुमेह जनजागरण शिविर का आयोजन प्रतिवर्ष गोंदिया में किया जाता है ।

इस शिविर में नागपूर से प्रसिध्द मधुमेह विशेषज्ञ डॉ.सुनील गुप्ता, पोषण एवं आहार विशेषज्ञा डॉ.सौ.कविता गुप्ता एवं उनके सहयोगी मधुमेहियों का उचित मार्गदर्शन बहुत ही रोचक तरीके से करते हैं ।

४) कैन्सर (कर्करोग) के प्रादुर्भाव को देखते हुए इसके शीघ्र निदान हेतु इस रोग की जानकारी एवं जागरुकता भी समय की मांग है । इस वर्ष से दिशा संस्था ने अलग अलग गॉवों में जाकर, कैन्सर रोग की जानकारी एवं इलाज के लिये उपलब्ध सरकारी योजनाओं की जानकारी एवं जागरुकता की शुरुवात ४ गॉवो से की है, दर वर्ष यह उपक्रम अलग अलग गॉवों में जारी रहेगा ।

जनवरी २०२४ से दिसम्बर २०२४ तक आयोजित विशेष जॉच शिविर

दिनांक	विशेष शिविर एवं आयोजन स्थल	विशेषज्ञ चिकित्सक	लाभार्थी
२८.०१.२०२४	मेंदू रोग जॉच एवं उपचार शिविर दिशा आरोग्य कुटीर, दर्रेकसा	डॉ.जयंत पांडे, नागपूर वरिष्ठ मंदू रोग विशेषज्ञ	८६ ई.ई.जी : १३
०३.०३.२०२४	२४वां वार्षिक मधुमेह जनजागरण शिविर न.मा.द.कॉलेज सभागृह गोंदिया	डॉ.सुनिल गुप्ता (मधुमेह विशेषज्ञ), डॉ.कविता गुप्ता (पोषण एवं आहार विशेषज्ञ) नागपूर एवं उनके सहयोगी	३३०
०७.०४.२०२४	अन्तर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य दिवस के अंतर्गत रिलयन्स कैन्सर केयर हॉस्पिटल कारंजा गोंदिया के सहयोग से गांवों में जाकर कैन्सर की जानकारी देने हेतु जनजागरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया	डॉ.सौरभ मेश्राम (वरिष्ठ कैन्सर रोग विशेषज्ञ)	विचारपुर ७७ टायोगोंदी ८७ चॉदसूरज १५७
१३.०७.२०२४	२५वॉ वार्षिक बालरोग जॉच व उपचार शिविर तथा गभ्रवती महिलाओं की जॉच व उपचार शिविर का आयोजन दिशा आरोग्य कुटीर दर्रेकसा में किया गया	नेल्सन हॉस्पिटल नागपूर एवं गोंदिया के विभिन्न बालरोग तज्ञ एवं गोंदिया के स्त्रीरोग विशेषज्ञ	०–१२ वर्ष उम्र के बच्चे ४७६ महिलायें ४५
२२.०९.२०२४	चर्मरोग जॉच एवं उपचार शिविर का आयोजन – दिशा आरोग्य कुटीर दर्रेसा में किया गया	डॉ.सौरभ राऊत (चर्मरोग विशेषज्ञ), रायपुर	१५६
२९.०९.२०२४	किशोरावस्था के छात्र–छात्राओं के लिये विशेष मार्गदर्शन शिविर का आयोजन दिशा आरोग्य कुटीर दर्रेकसा में किया गया	डॉ.राजीव मोहता (नागपूर) वरिष्ठ चिकित्सक एवं प्रेरक मार्गदर्शक डॉ.सौ.प्राजक्ता कळूसकर नागपूर (किशोरवयीन मार्गदर्शक)	गुरुदेव हायस्कूल ज्यु. कॉलेज १६०, विचारपुर हायस्कूल १५०, आश्रमशाला १५०, स्वामी विवेकानंद हायस्कूल एवं ज्यु.कॉलेज १५० कुल ६१० HB tests of girls : 42
२७.१०.२०२४	हृदयरोग एवं अस्थिरोग जॉच व उपचार शिविर का आयोजन दिशा आरोग्य कुटीर दर्रेकसा में किया गया	डॉ.दर्पण चौधरी (DM) (हृदयरोग विशेषज्ञ), डॉ.अभिषेक भालोटिया (अस्थिरोग शल्य चिकित्सक) डॉ.सुमीत शर्मा (फिजियोथेरपिस्ट)	अस्थिरोग – ७२ इको – २९ इसीजी – ६६
२२.१२.२०२४	नेत्ररोग एवं मोतियाबिंदु जॉच एवं उपचार शिविर का आयोजन दिशा आरोग्य कुटीर दर्रेकसा	डॉ.मोहित गजभिये (नेत्रशल्य चिकित्सक) गोंदिया एवं उनके सहयोगी गोंदिया मेडिकल कॉलेज	कुल मरीज ९७ मोतियाबिंदु – १६ अपवर्तन – ४०

दिशा आरोग्य कुटीर के २५ वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर दो दिवसीय रजत महोत्सव १३ एवं १४ जुलाई २०२४ को दर्रेकसा दिशा आरोग्य कुटीर परिसर में आयोजित किया गया, इसके अंतर्गत –

१) दिनांक १३ जुलाई २०२४ शनिवार को शिशु रोग जॉच एवं चिकित्सा शिविर में ४७६ बच्चों की जॉच एवं चित्सिा नेल्स हॉस्पिटल नागपूर एवं गोंदिया के बाल रोग विशेषज्ञों द्वारा की गई इस शिविर में बच्चों के ऑख, दॉत, हड्डी, त्वचा एवं मस्तिष्क रोगों की व्यापक जॉच (Comprehesive Checkup) विशेषज्ञों द्वारा की गई ।

२) गर्भवती महिलाओं की जॉच शिविर में ४५ गेर्भवती महिलाओं की जॉच एवं उपचार गोंदिया की स्त्रीरोग विशेषज्ञों द्वारा की गई

रजत महोत्सव के अवसर पर महिलाओं एवं बच्चों के भोजन की व्यवस्था की गई ।

३) १४ जुलाई २०२४ रविवार को रजत महोत्सव मुख्य कार्यक्रम नागपुर के वरिष्ठ हृदयशल्य चिकित्सक आदरणीय डॉ.पी.के.देशपांडे की अध्यक्षता एवं डॉ.सुधीर जोशी (वरिष्ठ चिकित्सक गोंदिया), डॉ.जयंत पांडे (वरिष्ठ मेंदूरोग विशेषज्ञ नागपूर) , डॉ.प्रमोद मुंदडा (वरिष्ठ हृदयरोग विशेषज्ञ) एवं डॉ.सुनील गुप्ता (वरिष्ठ मधुमेह तज्ञ नागपूर) की प्रमुख उपस्थिति में सम्पन्न हुआ ।

राज्य सभा सासंद माननीय श्री प्रफुलभाईजी पटेल की विकास निधि के सहयेाग से किचन शेड निर्माण का भूमिपूजन अतिथियों द्वारा इस अवसर पर संपन्न हुआ ।

रजतोत्सव के अवसर पर दिशा आरोग्य कुटीर के २५ वर्षो का सफर एक स्मरणिका के रुप में प्रकाशित किया गया, जिसका विमोचन विशिष्ट अतिथियों द्वारा किया गया ।

कार्यक्रम में विभिन्न गॉवों के सरपंच, पंचायत समिती सदस्य, जिला परिषद सदस्य एवं नागरिक बडी संख्या में उपस्थित हुए, बैंगलोर, नागपुर, कलकत्ता, जबलपुर, इन्दौर गोंदिया एवं आमगांव से दिशा मित्रों ने कार्यक्रम में शामिल होकर कार्यक्रम की शोभा बढाई ।

रजतोत्सव के अवसर पर २५ वर्षो से दिशा से निरंतर जुड़े हुये दिशा मित्रों का सत्कार कर दिशा संस्था ने उनका आभार माना ।

कार्यक्रम की सफलता हेतु दिशा सदस्य, दिशा मित्र एवं सहयोगियों ने अथक प्रयास किया एवं पूरे कार्यक्रम का कुशल मंच संचालन दिशा के संरक्षक एवं दिशा मित्र माननीय श्री राजेंद्रजी जैन (पूर्व विधायक) द्वारा अत्यंत रोचक ढंग से किया गया ।

दिशा संस्था के विशेष उपक्रम एवं उपलब्धियाँ

जनवरी २०२४ से दिसंबर २०२४

१) दिनांक ११ फरवरी २०२४ को स्व.मनोहरभाई पटेल अकादमी के सौजन्य से भारत सरकार के **उपराष्ट्रपति माननीय श्री जगदीपजी धनखड द्वारा दिशा संस्था को आदिवासी क्षेत्र में उल्लेखनीय सामाजिक कार्य करने हेतु सम्मानित किया गया ।**

२) दिनांक १९.०३.२०२४ को दिशा आरोग्य कुटीर परिसर में स्थित शांताबेन पटेल इमारत (दफ्तर एवं एक्सरे सोनोग्राफी) कक्ष के ऊपर ६ किलोवॉट का सोलर पैनल लगाया गया ।

३) दिनांक २०.०४.२०२४ से १०.०५.२०२४ तक तेंदुपत्ता सीजन में मलेरिया से बचाव हेतु निम्नलिखित गांवों में Mass Radical Treatment दिया गया :

१) मुरकूडोह नंबर १	: २३४
२) मुरकूडोह नंबर २	: १०३
३) मुरकूडोह नंबर ३	: १४५
४) डंडारी	: २२०
५) टेकाटोला	: १४०
६) टेकाझरी कॅम्प	: ४५
कुल	: ८८७ लाभार्थी

४) दिनांक १४.०७.२०२४ को दिशा संस्था के रजत महोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत क्षेत्र के मेधावी छात्र–छात्राओं का एवं दिशा मित्रों का सत्कार किया गया ।

५) दिनांक ०१.१२.२०२४ को विभिन्न गांवों में ३४५ गरम चादरों एवं १००० ऊनी टोप का वितरण किया गया ।

१) माताटोला	: ४६
२) कोवाचीटोला	: २६
३) जांभळी	: ७०
४) बाकलसर्रा	: ८९
५) कोठीटोला	: २७
६) मरारटोला	: ३१
७) नवाटोला	: ५६